दैनिक

भारत सरकार के डीएवीपी व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

नज़रिया ख़बर

RNI:UTTHIN/2008/25052

वर्ष:17 | अंक: 329 | देहरादून, गुरुवार 29 मई, 2025 | पृष्ठ:08 | मूल्य:1/रु. प्रति

न्यूज डायरी

एमडीडीए ने मसूरी रोड पुरकुल में विभिन्न स्थानों पर 150 बीघा में अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया

देहरादून। बिना अनुमति और नियमों के विरुद्ध चल रही प्लाटिंग में मसूरी रोड के पुरकुल गांव में विक्रम सिंह, द्वारा लगभग 40 से 50 बीघा भूमि पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी, जिसे एमडीडीए की टीम ने रोकते हुए जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा एक अन्य प्रकरण में मसूरी रोड के पास, पुरकुल गांव में राज सेठी द्वारा लगभग 100 बिघा भूमि को समतल कर प्लाटिंग की जा रही थी, जहां भी प्राधिकरण ने कड़ी कार्रवाई करते हुए प्लाटिंग का ध्वस्तीकरण किया। कार्यवाही में सहायक अभियंता शैलेन्द्र सिंह रावत, अवर अभियंता उमेश वर्मा, सुपरवाइजर सत्यनारायण भट्ट तथा पुलिस बल की उपस्थिति रही।

समाचार पत्रों का प्रकाशन एक परिवार के दो सदस्या कर रहे है तो केवल एक को ही मिलेगी विज्ञापन की मान्यता

देहरादून। सूचना एवं लोकसंपर्क विभाग ने वर्षों पूर्व राज्य में समाचार पत्रों के लिए एक नीति अपनाई थी कि यदि एक परिवार के दो या अधिक सदस्य अलग अलग समाचार पत्रों का प्रकाशन कर रहे हैं तो विज्ञापन मान्यता केवल एक ही समाचार पत्र को मिलेगी। इस प्रकार जिन लोगों ने सूचना विभाग से विज्ञापन उगाही का गैंग चला रखा था वो गैंग समाप्त हो गया। लेकिन देखने में यह आ रहा है कि ये चलन अब पोर्टल्स में शुरू हो गया है। पति, पत्नी, बेटा, बेटी, मां, पिताजी, चाचा, चाची, साला, साली, बहन, जीजा सबके नाम से पोर्टल बनाकर मउचंदमस हो जा रहे हैं। एक ही व्यक्ति विभिन्न नामों से पोर्टल बनाकर कर, विज्ञापन के लिए सम्बद्ध करवाकर प्रतिमाह लाखों रुपए के विज्ञापन ले रहा है। न्यूज चौनल में भी यही गेम हो रहा है। एक व्यक्ति के पास चार चार चौनल की ब्यूरो चीफ गिरी है। तो क्या ये सरकारी धन की बंदरबाट नहीं है? जो नियम समाचार पत्रों की संबद्धता को लेकर बने है, क्या वही नियम पोर्टल्स और चौनलों के लिए लागू नहीं होने चाहिए क्या? इस पर विचार होना चाहिए।

उत्तराखण्ड कैबिनेट ने दी योग नीति को मंजूरी, 11 प्रस्तावों पर लगी मुहर

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई। कैबिनेट की इस बैठक में 11 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण योग नीति को मंजूरी मिलना है। बता दें कि, ये देश की पहली योग नीति है। इस योग नीति के जरिए प्रदेश के पांच क्षेत्र को योग हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

सीएम बैठक लेते हुए।

इसी के साथ राज्य सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को 75 करोड़ रुपए लोन देना का निर्णय भी लिया। प्रिक्योरमेंट नियमावली में भी संशोधन किया गया है। राज्य में 10 करोड़ रुपए रुपए तक के विभागीय कार्यों को स्थानीय ठेकेदारों के माध्यम से कराया जाएगा। हर श्रेणी में बढ़ाई गई स्थानीय ठेकेदारों के काम करने की सीमा। स्थानीय लोगों और स्थानीय उत्पादों पर विशेष जोर दिया गया है। बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में उत्तराखंड मेगा एवं इंडस्ट्रियल नीति 2025 को मिली मंजूरी। अगले पांच सालों के लिए नई नीति बनाई गई है जिसमें उद्योगों को चार श्रेणियों में बांटा गया है। उद्योग लगाने के लिहाज से प्रदेश को चार कैटेगरी में बांटा गया है। जो आगामी 5 वर्षों तक प्रभावी रहेगी। उद्योगों को चार श्रेणियों में बांटा गया है। जिसमें लार्ज, अल्ट्रा लार्ज, मेगा और अल्ट्रा मेगा। 50 से 1000 करोड़ रुपये से ऊपर के निवेश पर स्थायी रोजगार और सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। उत्तराखंड विष कब्जा और विक्रय नियमावली में भी संशोधन किया गया है। इस नियमावली में मिथाइल अल्कोहल को भी शामिल किया गया है। राजकीय विभाग अधीनस्थ लेखा संवर्ग राजपत्रित नियमावली 2019 में भी

प्रदेश में पांच क्षेत्र को योग हब के रूप में किया जाएगा विकसित

संशोधन करने के लिए भी मंत्रीमंडल ने अपनी मोहर लगा दी है।

राज्य बाढ़ सुरक्षा का वार्षिक प्रतिवेदन को सदन में रखने को आज हुई बैठक में मंत्रीमंडल ने मंजूरी दे दी है। उत्तराखंड निबंध लिपिकवर्गीय कर्मचारी सेवा नियमावली 2025 बनाए जाने को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है। उत्तराखंड निबंध लिपिक वर्गीय कर्मचारी सेवा नियमावली 1978 की जगह नई नियमावली बनाई जायेगी। उत्तराखंड सेवा क्षेत्र नीति 2024 में भी संशोधन किया गा है। उत्तराखंड चाय विकास बोर्ड के ढांचे के संशोधन किया गया है। कृषि कल्याण विभाग के तहत चाय विकास विभाग में 11 अतिरिक्त पदों को मंजूरी दी गई है

इसके अलावा धामी कैबिनेट ने अटल आयुष्मान योजना को लेकर भी बड़ा फैसला लिया है। राज्य की धामी सरकार ने स्वास्थ्य योजना के तहत अस्पतालों को होने वाले भुगतान में विभाग को आ रही दिक्कत को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग को 75 करोड़ रुपए बतौर लोन देने को मंजूरी दी है। इसके जरिये अस्पतालों को भुगतान किया जा सकेगा। इसके साथ ही देहरादून और हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज में तीमारदारों के लिए रहने खाने की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए सरकार जमीन उपलब्ध कराएगी। साथ ही सीएसआर फंड के जरिए निर्माण करवाया जाएगा। राज्य सरकार ने कर्मचारियों, पेंशनरों व उनके आश्रितों को बेहतर इलाज सुविधा देने के लिए गोल्डन कार्ड योजना को नए ढांचे में मंजूरी दी है। एक व्यापक नीति के लिए हितधारकों से बातचीत की जाएगी।

कैबिनेट में उत्तराखंड की पहली योग नीति, गोल्डन कार्ड के जरिए कैशलेस इलाज की नई व्यवस्था, और औद्योगिक विकास से जुड़े अहम फैसले शामिल हैं। इसके तहत प्रदेश में पांच नए योग हब स्थापित किए जाएंगे।

शेष खबर पेज आठ पर देखे

राज्य हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर कैबिनेट द्वारा लिये गए महत्वपूर्ण निर्णयः मुख्यमंत्री

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कैबिनेट द्वारा राज्य की जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रोक्योरमैन्ट) नियमावली में संशोधन करते हुए राज्य में 10 करोड़ तक के कार्य अब राज्य के स्थानीय व्यक्तियों या स्थानीय पंजीकृत फर्मों के माध्यम से कराए जाने का निर्णय लिया गया है। इसमें राज्य के स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे तथा उनकी आर्थिकी मजबूत होगी। कैबिनेट के द्वारा स्वयं

सहायता समूहों एवं एमएसएमई को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय उत्पादों को बढावा देने के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूहों एवं एवं एमएसएमई को क्रय वरीयता प्रदान करने के लिए भी नीति का अनुमोदन प्रदान किया गया है। स्वयं सहायता समूहों के लिए पहले इस तरह की कोई विशेष व्यवस्था नहीं थी। अभी तक स्थानीय स्तर पर स्वयं सहायता समूहों को रू. 05 लाख तक की लागत के कार्य दिए जा सकते थे। क्रय वरीयता की नीति लागू होने से राज्य के सरकारी विभागों की निविदा प्रक्रिया में स्वयं सहायता समूहों एवं एमएसएमई को न्यूनतम दर की निविदा से 10 प्रतिशत की सीमा तक क्रय वरीयता मिलेगी। यह निर्णय भी स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने तथा मातृशक्ति को आर्थिक संबल प्रदान करने में मददगार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये उत्तराखण्ड मेगा इण्डस्ट्रियल एवं इन्वेस्टमेंट नीति–2025 (मेगा पॉलिसी–2025) को भी मंजूरी प्रदान की गयी है। इस योजना का उद्देश्य उत्तराखण्ड को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूंजी निवेश हेतु प्रतिस्पर्धी गंतव्य के रूप में स्थापित करने तथा वृहत श्रेणी के विनिर्माणक उद्यम में पूंजी निवेश के लिये अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करते हुये राज्य का आर्थिक विकास एवं अतिरिक्त रोजगार अवसरों का सृजन करना है। इसके साथ ही कैबिनेट द्वारा योग नीति को भी मंजूरी प्रदान की गयी है। इस नीति का सबसे बड़ा उद्देश्य है कि योग को केवल एक आध्यात्मिक या व्यक्तिगत साधना तक सीमित न रखते हुए उसे एक सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और पर्यटन–आधारित मॉडल के रूप में विकसित करना है। नीति का विज़न–उत्तराखंड को योग और वेलनेस का वैश्विक केंद्र बनाना है। इस नीति से राज्य को कई प्रकार के सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। इसके माध्यम से एक ओर राज्य में लगभग 13,000 से अधिक रोजगार सृजित होंगे, 2500 योग शिक्षकों के लिए योगा सर्टिफिकेशन बोर्ड से प्रमाणित होंगे और 10,000 से अधिक योग अनुदेशकों को होमस्टे, होटल आदि में रोजगार मिलने की संभावना है।

संपादकीय

ओवैसी ने पाकिस्तान की जमकर आलोचना की

एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पठानकोट की घटना तब हुई जब मेरे प्रधानमंत्री बिना बुलाए पाकिस्तान गए और मैं यह बात रिकॉर्ड में दर्ज करना चाहता हूं कि मैं ही था जिसने उनके वहां जाने की आलोचना की थी। कई विपक्षी दलों ने आलोचना की कि मेरे प्रधानमंत्री बिना बुलाए अफगानिस्तान से नवाज शरीफ के घर क्यों गए। उन्होंने कहा कि हमारे एयरबेस पर हमला हुआ और हमने वहां कई कर्मियों को खो दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान सबूत चाहता हैय आप (पाकिस्तान) अपनी टीम भेजें। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कोई देश पड़ोसी देश की जासूसी एजेंसी को आमंत्रित करे? ओवैसी ने कहा कि उन्हें आमंत्रित किया गया, उन्हें सारे रिकॉर्ड दिए गए, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ, कुछ भी नहीं हुआ। अगर सवाल यह है कि – हम पाकिस्तान से बात क्यों नहीं करते, तो हम पाकिस्तान में किससे बात करें? ओवैसी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 9 मई की घटनाओं की ओर इशारा करते हुए पाकिस्तानी सैन्य दुष्प्रचार की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, श्9 मई को क्या हुआ? उनके नौ एयरबेस को निशाना बनाया गया। अगर भारत चाहता तो हम उन एयरबेस को पूरी तरह से नष्ट कर सकते थे। लेकिन हम उन्हें आईना दिखाना चाहते थे और कहना चाहते थे, श्हम आपको चेतावनी दे रहे हैं, ऐसा मत करो, हमें उस रास्ते पर जाने के लिए मजबूर मत करो। नौ आतंकवादी संगठन मुख्यालयों को भी निशाना बनाया गया। एक और चौंकाने वाली बात यह थी कि मारे गए आतंकवादियों के लिए नमाज का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति एक नामित अमेरिकी आतंकवादी है। इसके साथ ही उन्होंने भारत के साथ अपने संघर्ष को हिंदू–मुस्लिम मुद्दे के रूप में पेश करने के पाकिस्तान के प्रयासों का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि भारत में 240 मिलियन से अधिक गर्वित मुसलमान रहते हैं और यह देश कई प्रतिष्ठित इस्लामी विद्वानों का घर है। ओवैसी सऊदी अरब में एक बातचीत के दौरान बोल रहे थे, जहां वह वर्तमान में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार की मेगा ग्लोबल आउटरीच पहल में शामिल भारतीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में यात्रा कर रहे हैं।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध

जिलाधिकारी सविन बंसल।

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी/जिलाधिकारी सविन बंसल ने स्मार्ट सिटी के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यो को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश दिए कि स्मार्ट सिटी के सभी प्रोजेक्ट गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूर्ण किए जाए।

सीएम की परिकल्पना से डीएम सविन शहर में यातायात प्रबंधन के साथ; नई स्लिप रोड, रांउड अबाउट व फ्लाईओवर के साथ ही चौक चौराहें को पारंपरिक शैली में निर्मित, विकसित, विस्तारित कर रहे हैं। यातायात प्रबंधन के लिए 11 चौक चौराहों पर ट्रैफिक लाइट लगाने का काम युद्धस्तर पर गतिमान है। डीएम के निश्चय अनुरूप 05 वर्ष में प्रथम बार, प्रमुख चौराहों पर लगे पुलिस के 100 सीसीटीवी कैमरों को जनसुरक्षा के दृष्टिगत स्मार्ट कंट्रोल रूम से इंटीग्रेट कर दिए गए हैं। वहीं स्मार्ट सिटी अंतर्गत 66 बस स्टॉप पर लगी 66ग्5 हाइटेक डिजीटल डिवाइस सक्रिय किया गया हैं डीएम ने एचपी के अधिकारियों को चेतावनी दी कि यदि एक भी डिवाईस डाउन हुआ तो कार्यों का भुगतान नही किया जाएगा। देहरादून में बन रही उत्तराखंड की पहली इंटीग्रेटेड ग्रीन बिल्डिंग निर्माण कार्यो की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि ग्रीन बिल्डिंग एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। कार्यदायी संस्था जनमानस की अपेक्षाओं के अनुरूप तय समय में इसका निर्माण पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने आईएसबीटी में ड्रेनेज सिस्टम के तहत आरसीसी पाइप इंस्टॉलेशन, चौंबर निर्माण कार्यो को 05 जून तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। आईएसबीटी में चन्द्रबनी साइट वाले ड्रेनेज क्लीनिंग के लिए जिलाधिकारी ने नगर निगम को तत्काल स्थलीय निरीक्षण करने और मानसून से पहले ड्रेनेज की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रिंस चौक पर अवशेष सीवर मेनहोल निर्माण एवं कनेक्टिविटी ना होने के कारण ओवरफ्लो की स्थिति के निस्तारण हेतु विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समस्या के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

प्रकृति में संतुलन और न्याय के देवता सूर्यपुत्र शनिदेव

अशोक "प्रवृद्ध"

भगवान सूर्य और उनकी पत्नी देवी छाया से उत्पन्न शनिदेव का नाम सुनकर लोग सहम जाते हैं,डर जाते हैं, प्रकोप का खौफ खाने लगते हैं। ऐसा इसलिए कि लौकिक मान्यताओं में शनि को क्रूर ग्रह माना जाता है, लेकिन सच में ऐसा है नहीं। शनि ग्रह के सम्बन्ध मे अनेक भ्रान्तियां हैं, इसलिए उन्हें मारक, अशुभ और दुःखकारक माना जाता है। आज के ज्योतिषी भी शनि को दुःख प्रदाता मानते हैं। लेकिन शनि उतना अशुभ और मारक नही है, जितना उसे माना जाता है।

वह शत्रु नही मित्र है।मोक्ष प्रदात्ता एक मात्र शनि ग्रह ही है। सत्य तो यह है कि शनि प्रकृति में संतुलन पैदा करता है, और हर प्राणी के साथ उचित न्याय करता है। केवल अनुचित बातों के द्वारा अपनी चलाने की कोशिश करने, समाज के अहित की बातों को मान्यता देने की कोशिश करने,अहम के कारण अपनी ही बात को सबसे आगे रखने, अनुचित विषमता, अथवा अस्वभाविक समता को आश्रय देने वालों को ही शनि दंडित, प्रताड़ित करते हैं।पौराणिक व ज्योतिष ग्रंथों के अनुसार शनि न्यायाधीश हैं। वे न्याय के देवता हैं। वे दंडाधिकारी की भूमिका का निर्वहन करते हैं। अच्छे व बुरे का परिणाम क्रमशः अच्छा व बुरा देने वाले ग्रह हैं। शनि को संतुलन और न्याय का ग्रह माना गया है। यह तपकारक ग्रह है, अर्थात तप करने से शरीर परिपक्व होता है।शनि का रंग गहरा नीला होता है।शनि ग्रह से निरंतर गहरे नीले रंग की किरणें पृथ्वी पर गिरती रहती हैं। शरीर में इस ग्रह का स्थान उदर और जंघाओं में है। सूर्य पुत्र शनि दुःखदायक, शूद्र वर्ण, तामस प्रकृति, वात प्रकृति प्रधान तथा भाग्य हीन नीरस वस्तुओं पर अधिकार रखता है।

शनि सीमा ग्रह कहलाता है। जहां पर सूर्य की सीमा समाप्त होती है, वहीं से शनि की सीमा शुरु हो जाती है। जगत में सत्य और असत्य का भेद समझनाशनि का विशेष गुण है। यह ग्रह कष्टकारक तथा दुर्दैव लाने वाला है। विपत्ति, कष्ट, निर्धनता, देने के साथ साथ बहुत बडा गुरु तथा शिक्षक भी है, जब तक शनि की सीमा से प्राणी बाहर नही होता है, संसार में उन्नति संभव नही है। मान्यतानुसार शनि के कोप से बचा भी जा सकता है और रूठे हुए शनिदेव को मनाया भी जा सकता है। शनि के कोप से बचने का उपाय है कि हम कभी अन्याय न करें। अनावश्यक विषमता का साथ न दें। वैसे तो प्रत्येक शनिवार को शनि पूजा, आराधना का दिन माना जाता है। लेकिन ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या के दिन उनका अवतरण इस भूमि पर होने की मान्यता के कारण यह दिन उनके पूजन– आराधन के लिए सर्वोचित और सर्वोत्तम माना जाता है।इस दिन शनि का अवतरण होने के कारण इस दिन को शनि जयंती शनिश्चरी अमावस्या, शनि अमावस्या, शनिश्चरा जयंती भी कहा जाता है। यह दिन कर्मों के अनुसार फल देने वाले देवता शनिदेव के जन्म का उत्सव है। इस दिन शनि जयंती मनाए जाने की पौराणिक परिपाटी है। शनिदेव शनि ग्रह को नियंत्रित करते हैं। रामभक्त हनुमान ने शनिदेव को रावण की कैद से मुक्त कराया था।इसलिए शनिदेव के कथनानुसार हनुमान की पूजा करने वाले भक्त शनि देव के अति प्रिय और कृपा पात्र होते हैं। इसलिए शनिदेव के साथ–साथ हनुमान की पूजा का भी विधान माना गया है।कुंडली में शनि दोष, शनि ढैय्या या साढ़ेसाती होने पर शनिश्चरी अमावस्या इन सभी प्रकार की बाधाओं से मुक्ति दिलाती है। शनि अमावस्या के दिन शनिदेव की कृपा पाने हेतु शनि मंदिर अथवा नवग्रह धाम मंदिर जाकर उपवास, दान, शनि तैलाभिषेकम, शनि शांति पूजा, प्रार्थना, हवन, यज्ञ, हनुमान चालीसा, दशरथकृत शनि स्तोत्र, शनि आरती, भगवान शनि की पूजाकरना चाहिए।देवाशनि चालीसा, शनि अष्टोत्तर–शतनाम–नामावली, श्री शनैश्चर सहस्रनाम आदि का पाठ करना चाहिए।

ग्रंथों में इनकी नौ सवारियाँ बताए गए हैं– हाथी, घोड़ा, हिरण, गधा, कुत्ता, भैंसा , गिद्ध , शेर और कौआ।शनिदेव के जन्म के संबंध में स्कंदपुराण के काशीखंड में अंकित कथा के अनुसार राजा दक्ष की कन्या संज्ञा का विवाह सूर्यदेवता के साथ तो हुआ, लेकिन सूर्यदेव का तेज बहुत अधिक होने को लेकर संज्ञा परेशान रहती थी। वह सोचा करती कि किसी तरह तपादि से सूर्यदेव की अग्नि को कम करना चाहिए। इसी तरह दिन बीतते गएऔर संज्ञा के गर्भ से वैवस्वत मनु, यमराज और यमुना तीन संतानों ने जन्म लिया। लेकिन संज्ञा अब भी सूर्यदेव के तेज से घबराती थी। एक दिन उन्होंने निर्णय लिया कि वे तपस्या कर सूर्यदेव के तेज को कम करेंगी। बच्चों के पालन–पोषण करने में कोई कष्ट न हो और सूर्यदेव को इसकी भनक न लगे इसके लिए उन्होंने एक युक्ति निकाली।

एक अन्य कथा के अनुसार शनिदेव का जन्म महर्षि कश्यप के अभिभावकत्व में कश्यप यज्ञ से हुआ। छाया शिव की भक्तिन थी। शनिदेव के छाया के गर्भ में रहने के समय छाया ने भगवान शिव की इतनी कठोर तपस्या की कि उसे खाने–पीने की सुध तक नहीं रही। भूख–प्यास, धूप–गर्मी सहने के कारण उसका प्रभाव छाया के गर्भ मे पल रही संतान अर्थात शनि पर भी पड़ा और उनका रंग काला हो गया। शनिदेव के जन्म होने पर उसके रंग को देखकर सूर्यदेव ने छाया पर संदेह किया और उन्हें अपमानित करते हुए कह दिया कि यह मेरा पुत्र नहीं हो सकता। मां के तप की शक्ति शनिदेव में भी आ गई थी। उन्होंने क्रोधित होकर अपने पिता सूर्यदेव को देखा तो सूर्यदेव बिल्कुल काले हो गए।उनके घोड़ों की चाल रूक गई। परेशान होकर सूर्यदेव को भगवान शिव की शरण लेनी पड़ी। इसके बाद भगवान शिव ने सूर्यदेव को उनकी गलती का अहसास करवाया। सूर्यदेव अपनी करनी का पश्चाताप करने लगे और अपनी गलती के लिए क्षमा याचना की। इस पर उन्हें फिर से अपना असली रूप वापस मिला। लेकिन पिता पुत्र के मध्य हो चुका खराब संबंध कभी फिर नहीं सुधरा। आज भी शनिदेव को अपने पिता सूर्य का विद्रोही माना जाता है। उन्हें पितृ शत्रु भीकहा जाता है। कथा के अनुसार शनि के श्यामवर्ण को देखकर सूर्य के द्वारा अपनी पत्नी छाया पर शनि मेरा पुत्र नहीं हैं कहकर अपमानित किए जाने के समय से ही शनि अपने पिता से शत्रु भाव रखते थे।

29 May 2025_Copy of Layout 1 5/29/2025 2:34 PM Page 3

केदारनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं को मिली जाम के झाम से राहत

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। केदारनाथ धाम की यात्रा में आने वाले तीर्थयात्रियों को इस बार जाम के झाम से राहत मिल रही है। पिछले वर्षों तक जहां यात्रा मार्ग में लगने वाले जाम से श्रद्धालुओं को मिनटों का सफर घंटों में तय करना पड़ता था, वहीं इस बार ऐसा कई भी नहीं देखने को मिल रहा है। जवाड़ी बाईपास से निकलकर तीर्थयात्री आसानी से सोनप्रयाग पहुंच रहे हैं। वहीं, प्रशासन की ओर से जगह–जगह बनाई गई पार्किंग तीर्थयात्रियों के लिए राहत देने का काम कर रही हैं।

वर्ष 2025 की केदारनाथ यात्रा नये आयाम छूने जा रही है। मात्र 26 दिनों की यात्रा में छः लाख का आंकड़ा पार हो गया है। इस बार की यात्रा में जो सबसे ज्यादा राहत देने का काम किया है, वह केदारनाथ हाईवे ने दिया है। हाईवे पर जगह–जगह जहां जिला प्रशासन ने पार्किंगों का निर्माण किया है, वहीं हाईवे की बदहाल स्थिति को भी सुधारा गया है। हाईवे के फाटा में बीते 11 सालों से राजमार्ग

पार्किंग व्यवस्था।

काफी संकरा होने के साथ ही पहाड़ी से पत्थर गिरने का भय बना रहता था, वहीं इस समस्या का समाधान होने से यात्रियों ने राहत की सांस ली है। इसके अलावा कुंड से गुप्तकाशी के बीच लगने वाले लम्बे जाम से भी निजात मिल गई है। ब्यूंगगाड़, सीतापुर सहित अन्य स्थानों पर भी राजमार्ग के डेंजर प्वाइंटों को सुरक्षित किया गया है। केदारनाथ हाईवे के जगह–जगह नासूर बने डेंजर जोन का ट्रीटमेंट किया गया है तो कई जगहों पर पार्किंगों का भी निर्माण किया गया है। यात्रा मार्ग के जगह–जगह तैनात पुलिस और यात्रा मैनजमेंट फोर्स की टीमें तीर्थयात्रियों की मदद में जुटी हुई हैं। केदारनाथ धाम आने वाले तीर्थयात्री जहां पहले हाईवे के कई स्थानों पर लगने वाले जाम और डेंजर प्वाइंटों से परेशान रहते थे, वहीं पार्किंग की सुविधा नहीं होने से भी उन्हें दिक्कतें होती है। मगर अब जिला प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की इस समस्या का समाधान करके यात्रियों की यात्रा को आसान बना दिया है।

चारधाम यात्रा में आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए जिला प्रशासन की ओर से जगह–जगह पार्किंग का निर्माण किया गया है। इनमें रुद्रप्रयाग नगर क्षेत्र के पुनाड़ गदेरा, तिलवाड़ा, बेलनी, अगस्त्यमुनि–देवल, गिवाणा, काकड़ागाड़, सोनप्रयाग बाजार, सोनप्रयाग शटल व गौरीकुंड शटल में पार्किंग की सुविधा मिल रही है, जबकि स्यालसौड़, मैखण्डा में पार्किंग का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। पार्किंगों के निर्माण से देश–विदेश से यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को बहुत राहत मिल रही है। जिला स्तरीय प्राधिकरण की देख–रेख में पार्किंगों का संचालन हो रहा है और इनसे अर्जित होने वाली आय को जिले के विकास में लगाया जा रहा है। पार्किंगों में हर दिन कितने वाहन आ रहे हैं और कितने जा रहे हैं, इसका पूरा डेटा रखा जा रहा है। डीएम डॉ सौरभ गहरवार ने कहा कि केदारनाथ हाईवे के साथ ही अन्य मार्गों में बनाई गई पार्किंग से तीर्थयात्रियों में खुशी देखने को मिल रही है। केदारनाथ यात्रा मार्ग की पार्किंग स्थलों में यात्रियों के लिए दुकानें भी खोली गई हैं, जिसमें खाने–पीने की उचित व्यवस्थाएं की गई हैं।

तू झूम, ये तूने क्या किया.. ..'' सूफी गीत 30 मई को होगा लॉन्च

देहरादून। भजन गायिकी में अपनी अटूट पहचान कायम कर चुके उत्तराखंड के 26 वर्षीय युवा गायक अमन कांबोज सूफी गायिकी की दुनिया में भी एक नई पारी की शुरूआत करने जा रहे हैं। रिवरस्टोन कोटेज देहरादून में 30 मई को संगीत प्रेमियों के साथ अमन अपनी मधुर आवाज में ''तू झूम, ये तूने क्या किया....'' सूफी गीत की प्रस्तुति देकर एक नए सफर का आगाज करेंगे। गीत के लांचिंग अवसर पर जानीमानी हस्तियों के अलावा यूट्यूबर एवं बिग बॉस फ्रेम अरमान मलिक एवं निर्माता पंकज रावत (श्रीजा ग्लोबल) भी मौजूद रहेंगे। इस लॉन्च के साथ, अमन कंबोज का लक्ष्य सूफी संगीत की शक्तिशाली और काव्यात्मक शैली के माध्यम से व्यापक दर्शकों से जुड़ना है, इस म्यूजिक कंपनी के माध्यम से संगीत प्रेमियो के लिए अमन काम्बोज द्वारा गाये गये सभी गीतों की जानकारी मिलेगी और प्रतिमाह एक नये गीत को प्रस्तुत किया जायेगा।

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार कई अहम कदम उठाए: धामी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के 75 मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान समारोह न सिर्फ छात्रों के उत्साहवर्धन का माध्यम है, बल्कि राज्य के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का भी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन विद्यार्थियों ने अपने माता–पिता, शिक्षकों और विद्यालय के साथ ही पूरे उत्तराखंड का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार कई अहम कदम उठा रही है। सभी सरकारी स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकें अनिवार्य की गई हैं और कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों को मुफ्त पाठ्य पुस्तकें दी जा रही हैं। 226 स्कूलों को पीएम श्री विद्यालय के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि 500 स्कूलों में वर्चुअल कक्षाएं और 840 नए स्कूलों में हाइब्रिड स्मार्ट क्लासरूम शुरू किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा 6 से 12 तक के सरकारी और अशासकीय स्कूलों के छात्रों को मासिक छात्रवृत्ति दी जा रही है। इसके साथ ही प्रत्येक विकासखंड से 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों को भारत भ्रमण पर भेजने की योजना भी शुरू की गई है।

देवतुल्य यात्रियों को मिल रही हर सुविधाएं : हेमंत द्विवेदी

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। बद्रीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने भगवान केदारनाथ की रूद्राभिषेक पूजा–अर्चना कर निर्विघ्न यात्रा संचालित होने के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने धाम के पुजारी बागेश लिंग का आशीर्वाद लेने के बाद यात्रा से जुड़े मंदिर समिति सहित पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से बातचीत की और कहा कि विषम परिस्थितियों में अधिकारी–कर्मचारी और जवान यात्रा सेवाओं में जुटे हुए हैं। ईमानदारी के साथ ड्यूटी निभा रहे हैं। उनकी इस कष्टदायक मेहनत का फल जरूर बाबा केदार उन्हें देंगे। सोमवार को बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी केदारनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने रूद्राभिषेक पूजा–अर्चना कर

बाबा से निर्विघ्न यात्रा संचालित होने की प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने केदारसभा के पदाधिकारियों से मुलाकात की और उनका सहयोग मांगा। केदार सभा ने भी बीकेटीसी अध्यक्ष को यात्रा में सहयोग का भरोसा दिलाया। बीकेटीसी अध्यक्ष ने बताया कि वे बीते रविवार को बाबा केदार के चरणों में पहुंचे थे और यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के साथ संगठन के पदाधिकारियों से भी भेंट की। सोमवार के दिन बाबा की पूजा–अर्चना कर मन को अपार शांति मिली। उन्होंने कहा कि यहां तैनात कर्मचारी, अधिकारियों और जवानों को भगवान शिव शक्ति प्रदान करें। कहा कि हर दिन हजारों की संख्या में देवतुल्य यात्री बाबा के दरबार में पहुंच रहे हैं और अब तक साढ़े पांच लाख का आंकड़ा भी पार हो गया है।

चारधाम यात्रा सुरक्षा व्यवस्था की ग्राउंड समीक्षा को एडीजी पहुंचे बद्रीनाथ धाम

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर वी. मुरुगेशन, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था बद्रीनाथ धाम पहुँचे। जहां उन्होंने श्री बद्रीनाथ मंदिर परिसर और इसके आसपास की सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

एडीजी यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए।

विशेष रूप से मंदिर के भीतर और बाहर बढ़ती भीड़ को कुशलतापूर्वक नियंत्रित करने के लिए किए गए पुलिस प्रबंधन की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान, एडीजी प्रत्येक ड्यूटी प्वाइंट पर जाकर तैनात पुलिस के जवानों से व्यक्तिगत रूप से मिले। उन्होंने जवानों से परिचय प्राप्त किया और उनसे ड्यूटी के उनके अनुभवों और सामने आ रही संभावित समस्याओं के बारे में जानकारी ली। विषम परिस्थितियों में भी मुस्तैदी से कर्तव्य निभा रहे इन जवानों का हौसला अफजाई करते हुए महोदय ने उन्हें महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिए। जवानों को संबोधित करते हुए, एडीजी ने अतिथि देवो भवः के भाव पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु हमारे लिए अतिथि के समान है। पुलिस का प्राथमिक दायित्व है कि इस भावना के साथ यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा प्रदान की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के साथ हमेशा मधुर और विनम्र व्यवहार किया जाए। पुलिस कर्मियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि श्रद्धालु व्यवस्थित और कतारबद्ध तरीके से श्री हरि के दर्शन कर सकें, जिससे उनकी यात्रा सुखद बनी रहे। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के उपरांत उन्होंने अधिकारियों को सतर्क रहने एवं संभावित भीड़ प्रबंधन के लिए अग्रिम रूप से तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और सभी कार्मिक अपनी नियुक्ति स्थल पर मुस्तैद रहते हुए, स्वयं की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए भी यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। एडीजी ने यात्रा मार्ग और मंदिर के आसपास की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने वाले अत्याधुनिक सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया।

29 May 2025_Copy of Layout 1 5/29/2025 2:34 PM Page 4

राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने ली सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। राज्यसभा सांसद डॉ नरेश बंसल की अध्यक्षता में राजपुर रोड़ स्थित वन विभाग के मंथन सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की बात कही।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि सड़के चौड़ी हो रही है, एक शहर से दूसरे शहर के बीच दूरिया घट रही है, लेकिन इन सब के बीच सड़क दुर्घटनायें बढ़ रही है। उन्होने निर्देशित करते हुए कहा कि हमार लक्ष्य दुर्घटना को शून्य या न्यून करना है, जिसके लिए जन जागरूकता बहुत आवश्यक है। उन्होने कहा कि एन०जी०ओ० लॉयन्स क्लब, रोटरी क्लब सहित सभी स्वयं सेवी सहायता समूह की सहायता लेकर सड़क सुरक्षा के प्रति जनमानस में जागरूकता लाई जाए। स्कूलो–कॉलेज के माध्यम से

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते सांसद नरेश बंसल।

जागरूकता कार्यक्रम छात्र छात्राओं को ट्रैफिक कन्ट्रोल कराना सिखाया जाए। इससे उनको नियम कानून की जानकारी होगी और वह इसके प्रति सचेत रहेंगे।

उन्होने निर्देश दिए कि सड़के बनाने वाले तथा खोदने वाले व्यक्ति व संस्थान आपसी समन्वय से कार्य करे, ताकि सड़क को बनाने के बाद पुनः खोदने की जरूरत न पड़े। उन्होने निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी बैठको सक्षम स्तर के अधिकारी पूरी तैयारी एवं अघतन जानकारियों के साथ स्वयं प्रतिभाग करना सुनिश्चित करे। उन्होने कहा कि सड़क दुर्घटनायें पूरे देश के लिये चिंता का विषय है।

उन्होने जनता से अपील करते हुए कहा कि वाहन दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की मदद करने वाले व्यक्ति से पूछताछ नहीं की जाएगी। उन्होंने सड़को पर वाहन गति के चेतावनी वाले साइन बोर्ड लगाने तथा विभिन्न क्षेत्र विशेष के अनुसार सड़क सुरक्षा उपाय अपनाने के निर्देश दिए, साथ ही सड़को के किनारे स्थित शराब की दुकानो के बाहर वाहनो को सुनियोजित ढंग से पार्क कराने हेतु सिक्योरिटी गार्ड भी तैनात करने को कहा।

उन्होने कहा कि सभी विभाग साल भर की प्लानिंग बना ले कि कौन कहाँ पर सड़के खोद रहा है, कोई विभाग उसकी जिम्मेदारी भी ले। विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय कर बेहतर प्लान बनाये।

उन्होने सुरक्षात्मक दृष्टि से पुलिस विभाग और परिवहन विभाग के साथ ही नगरपालिका एवं नगर पंचायत को भी सीसीटीवी कैमरे ज्यादा से ज्यादा लगाने के निर्देश दिए। उन्होने सभी अधिशासी अधिकारियों को पुलिस विभाग से समन्वय कर अपने अपने क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगवायें, जहाँ पर ज्यादा सड़क दुर्घटनायें और ओवर स्पीड के मामले आते हो।

यात्रा में पर्यावरण का भी रखा जा रहा विशेष ध्यान

रुद्रप्रयाग। बाबा केदार की यात्रा में जिला प्रशासन की ओर से पर्यावरण का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जवाड़ी बाईपास में केदारनाथ धाम जाने वाले भक्तों को कूड़ा बैग दिए जा रहे हैं। इन बैगों में भक्त खाने–पीने की चीजों का उपयोग करने के बाद प्लास्टिक–कचरा इसमें रख सकते हैं और निर्धारित जगहों पर बनाए गए कूड़ादान सेंटरों में फेंक सकते हैं, जहां से उठाकर इस कचरे को कूड़ा डम्पिंग जोन में पहुंचाया जा रहा है। केदारनाथ हाईवे के जगह–जगह कूड़ादान बनाए गए हैं, जिनका लाभ स्थानीय लोगों के साथ ही तीर्थयात्रियों को मिल रहा है। साथ ही इससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान से भी बचाया जा रहा है। प्रसिद्ध पर्यावरण विशेषज्ञ देवराघवेन्द्र बद्री ने कहा कि जिला प्रशासन की यह शानदार पहल है। धाम पहुंच रहे श्रद्धालुओं को कूड़ा बैग दिया जा रहा है। यह बैग पूरी तरह से प्लास्टिक मुक्त है, जबकि इसमें प्लास्टिक कचरा रखने के बाद सुरक्षित स्थान पर भी पहुंचाया जा रहा है।

कोरोना को लेकर उत्तराखंड के सभी अस्पतालों में चलेगी फ्लू ओपीडी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। राज्य में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सभी अस्पतालों को अलग से फ्लू ओपीडी संचालित करने के निर्देश दिए हैं। ताकि खांसी जुकाम और फीवर से पीड़ित सभी मरीजों का इलाज फ्लू ओपीडी में किया जा सके। दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर गीता जैन ने इस बारे में बताया।

हालांकि राज्य के सबसे बड़े राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय में अलग से फ्लू ओपीडी संचालित किए जाने में समय लग सकता है। दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर गीता जैन ने बताया, कि इसी हफ्ते अस्पताल में रेस्पिरेटरी इलनेस के लिए फ्लू क्लीनिक संचालित कर दिया जाएगा। इसके बाद खांसी, जुकाम और बुखार से पीड़ित मरीजों का इलाज अलग से किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि दून अस्पताल में कोरोना से जुड़ी आरटीपीसीआर व एलाइजा जांच की समुचित मात्रा में किटें उपलब्ध हैं। डॉ गीता जैन के मुताबिक कोरोना की पहली, दूसरी व तीसरी लहर की तुलना में इस बार ओमिक्रोन का वेरिएंट इतना घातक नहीं है। अभी तक की जो भी रिपोर्ट्स कोरोना को लेकर सामने आई हैं, उन रिपोर्ट्स में कोई ऐसी सीरियस बात सामने नहीं आई है। लेकिन सरकार की तरफ से जो भी गाइडलाइन जारी की गई हैं।

एडीजी ने केदारनाथ धाम व यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था वी. मुरुगेशन ने केदारनाथ धाम की यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की गनह समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केदारनाथ धाम स्थित नवीन पुलिस चौकी भवन एवं वहाँ की आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से सीधे संवाद स्थापित कर उनके यात्रा अनुभवों की जानकारी ली।

दर्शन हेतु प्रारम्भ की गई टोकन काउंटर व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की लाइन प्रबंधन प्रणाली का भी उन्होंने निरीक्षण किया और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर दर्शन

यात्रा मार्ग का निरीक्षण करते एडीजी।

हेतु लाइन एवं क्राउड मैनेजमेंट को प्रभावी बनाए रखने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए।

इसके पश्चात एडीजी ने फाटा से सोनप्रयाग तक यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात यातायात निरीक्षक से पार्किंग और यातायात व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की गई। सीतापुर व सोनप्रयाग स्थित पार्किंग स्थलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग, एंट्री एवं एग्जिट की सहज प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। सोनप्रयाग, सीतापुर पार्किंग से शटल सेवा तक जाने वाली लाइन व्यवस्था, शटल संचालन की स्थिति तथा सोनप्रयाग से गौरीकुंड के मध्य चलने वाली शटल सेवा की निगरानी की गई।

मैनुअल स्कैवेंजर्स, सफाई कर्मी और उनके आश्रितों के लिए आयोजित हुआ शिविर

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों के क्रम में मैनुअल स्कैवेंजर्स एवं सफाई कर्मचारियों और उनके आश्रितों के कल्याणार्थ केंद्र एवं राज्य सरकार के माध्यम से संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से पात्र आवेदकों को आच्छादित किए जाने हेतु जनपद के रेखीय विभागों द्वारा शिविर आयोजित किए जा रहे है।

मंगलवार को उत्तराखंड राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर) भगवत सिंह मकवाना की अध्यक्षता में वाल्मीकि बस्ती चुक्खूवाला देहरादून में शिविर

आयोजित किया गया। शिविर में 120 सफाई कार्मिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, 21 आयुष्मान कार्ड, 8 आधार कार्ड, 13 राशन कार्ड, 2 बालिकाओं को महालक्ष्मी किट वितरण के साथ ही 80 ऋण आवेदन फार्म भरे गए।

उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर) भगवत सिंह मकवाना ने जिलाधिकारी के निर्देशन में समाज कल्याण एवं अन्य रेखीय विभागों द्वारा समाज के वंचित वर्ग के लोगों की सुविधा के लिए इस तरह के शिविर आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति एवं वंचित वर्ग के हर पात्र व्यक्ति तक सरलता से सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का शिविर एक उचित माध्यम है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि राज्य में पहली बार वाल्मीकि बस्तियों में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित पेंशन, छात्रवृत्ति, शादी अनुदान योजना तथा पात्रता के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। उत्तराखंड बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से स्वच्छकार योजना में पात्र आवेदकों के ऋण आवेदन लिए गए। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा शिविर में आए सफाई कर्मचारियों एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क औषधि वितरण किया गया। रेखीय विभागों ने सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजना की जानकारी दी। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि अगला शिविर 31 मई को वाल्मीकि धर्मशाला, इंद्रेश नगर देहरादून और 03 जून को वाल्मीकि मंदिर, वाल्मीकि बस्ती ऋषिकेश में शिविर लगाए जाएंगे।

29 May 2025_Copy of Layout 1 5/29/2025 2:34 PM Page 5

पेयजल अनुसरण परिषद के उपाध्यक्ष ने अधिकारियों की बैठक कर पेयजल योजनाएं अभिलंब पूरी करने के दिए निर्देश

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। राज्य स्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद उत्तराखंड के उपाध्यक्ष दिनेश आर्य द्वारा लालकुआं विधानसभा क्षेत्र की पेयजल योजनाओं को त्वरित गति से पूरा करने को लेकर जल संस्थान एवं जल निगम के अधिकारियों की बैठक में एक माह के भीतर ग्रामीण क्षेत्र एवं दो माह में लालकुआं क्षेत्र की तमाम पेयजल योजनाओं को शुरू करने के संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए।

नगर पंचायत के सभागार में आयोजित उक्त महत्वपूर्ण बैठक के दौरान अधिकारियों को संबोधित करते हुए राज्य स्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद उत्तराखंड के उपाध्यक्ष दिनेश आर्य ने कहा कि हल्दूचौड़ के जग्गीबंगर एवं गंगापुर कबड़वाल गांव में एक माह के भीतर हर हाल में पेयजल आपूर्ति शुरू की जाए। लालकुआं क्षेत्र के लिए उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में दो माह के भीतर नई पेयजल लाइन शुरू की जाए, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में उसके बाद अभिलंब पेयजल आपूर्ति शुरू करने की व्यवस्था की जाए, बंगाली कॉलोनी क्षेत्र में जली हुई मोटर को दुरुस्त करने के उन्होंने सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिंदुखत्ता 1 लाख की आबादी का क्षेत्र है, वहां राजस्व गांव नहीं होने के चलते ग्रामीणों को पेयजल के लिए भारी दिक्कतें उठानी पड़ रही है, सरकार जल्द ही बिंदुखत्तावासियो को शुद्ध पेयजल मुहैय्या कराएगी, इसके लिए राज्य सरकार में मंथन चल रहा है कि वहां किस मद से पेयजल व्यवस्था लागू की जाए, इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि बरसात का मौसम आने ही वाला है, जल निगम और जल संस्थान के अधिकारी अपनी अपनी पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अभी से कमर कस लें। इससे पूर्व क्षेत्रवासियों ने विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखा, जिसमें कुछ समय पूर्व से बंगाली कॉलोनी की मोटर फुके होने, रेलवे के नाले की सफाई में रेलवे विभाग का सहयोग न मिलने, खड्डी मोहल्ले में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने, हल्दूचौड़ क्षेत्र में पाइप लाइन जिन इलाकों से जा रही है वहां खोदे गए गड्डों को तत्काल भरा जाए, और जगह–जगह हुए लीकेज को भरा जाए, जिन लोगों को पानी का कनेक्शन नहीं दिया गया है वह परेशान है तत्काल कनेक्शन दिया जाए, नगर में खुदी पड़ी सड़कों में तत्काल पाइपलाइन शुरू करते हुए सड़कों की मरम्मत करने, पेयजल लाइनों में पानी कम आने समेत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल से संबंधित विभिन्न समस्याओं को विस्तार के साथ रखा गया।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिनेश खुल्बे, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, बिंदुखत्ता मंडल अध्यक्ष नवीन पपोला, हल्दूचौड़ के मंडल अध्यक्ष रोहित दुम्का, ग्राम प्रधान रोहित बिष्ट, रामलाल, ललित सनवाल, राजकुमार सेतिया, बॉबी संभल, जीवन कबडवाल, ओमपाल कश्यप, और ग्राम अधिकारियों में उत्तराखंड पेयजल निगम के अधीक्षण अभियंता वीके जैन, राहुल कुमार सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस ने लालकुआं में तमंचे के साथ शातिर युवक दबोचा

लालकुआं। पुलिस ने शातिर युवक को अवैध तमंचा मय कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार करनी में सफलता हासिल की है।

दिनेश सिंह फर्त्याल ने बताया कि लालकुआं पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त घनश्याम कश्यप उर्फ कल्लू पुत्र महिपाल कश्यप निवासी नई बस्ती वार्ड नं0 1 लालकुआँ को डार्बी ग्राउण्ड के पास से अवैध देशी तमन्चा 315 बोर मय 1 जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि आरोपी के विरुद्ध 25 शस्त्र अधिनियम की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए उसका चालान कर दिया है। उन्होंने बताया कि आरोपी लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय अपराधी के रूप में शराब का अवैध कारोबार कर रहा है जिसे पूर्व में भी पुलिस कई बार गिरफ्तार कर चुकी है आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में हल्दुचौड़ पुलिस चौकी प्रभारी शंकर नयाल, कांस्टेबल आनन्दपुरी, और चन्द्र शेखर शामिल थे।

हल्दूचौड़ में निकाली गई तिरंगा सम्मान यात्रा

हल्दूचौड़/लालकुआं। हल्दूचौड़ भाजपा मंडल द्वारा निकाली गई तिरंगा सम्मान यात्रा में भारी संख्या में क्षेत्रवासियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत नारे लगाकर पूरे क्षेत्र को जोश से भर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विधायक डॉ मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम को नमन करने के लिए भाजपा कार्यकर्ता भव्य तिरंगा सम्मान यात्रा निकाल रहे हैं, इससे जहां हमारे सैनिकों का मनोबल ऊंचा होगा, वही लोगों में भी देश प्रेम का जज्बा मजबूत होगा। उक्त यात्रा क्षेत्र के कई ग्रामीण अंचलों में घुमाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता हल्दूचौड़ मंडल के अध्यक्ष रोहित दुम्का, जिला उपाध्यक्ष दिनेश खुल्बे, अशोक पढालनी, सरिता देवी, विनोद कुमार, सुरेंद्र मालवाल, दया किशन दुम्का, बच्ची सिंह रावत शाहिद भारी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद थे।

बद्रीनाथ के तप्त कुंड में बिगड़ी बालक की तबीयत, पुलिस ने बचाई जान

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। बुधवार 28 मई को होशियारपुर, पंजाब निवासी पार्थ सूरी पुत्र संजीव तप्त कुंड में स्नान कर रहा था। स्नान के दौरान अचानक उसे चक्कर आने लगे और उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिससे वह गिरने ही वाला था। तप्त कुंड के समीप श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु ड्यूटी पर तैनात लीडिंग फायरमैन प्रदीप त्रिवेदी, फायरमैन पूजा और फायरमैन सपना ने बालक की गंभीर स्थिति को तुरंत भांप लिया। उन्होंने बिना एक पल की देरी किए बालक को सहारा दिया और नीचे गिरने से बचाया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, लीडिंग फायरमैन प्रदीप त्रिवेदी ने तत्परता दिखाते हुए बालक पार्थ को बिना देर किए अपनी पीठ पर बिठाया और तेजी से मंदिर परिसर में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर दौड़े।

स्वास्थ्य केंद्र पर मौजूद डॉक्टर ने पार्थ की जांच की और आवश्यक प्राथमिक उपचार तथा दवाइयां दीं। हालांकि, स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर ने पार्थ की स्थिति को देखते हुए उसे विवेकानन्द चिकित्सालय बद्रीनाथ ले जाकर आगे का उपचार कराने की सलाह दी। इस पर लीडिंग फायरमैन प्रदीप त्रिवेदी द्वारा बिना किसी देरी के, बालक पार्थ को उसके माता–पिता के साथ तत्काल राजकीय चिकित्सालय बद्रीनाथ पहुंचाया गया। उचित उपचार मिलने के बाद धीरे–धीरे पार्थ की स्थिति में सुधार आना शुरू हुआ और उसे आ रहे चक्कर बंद हो गए। उत्तराखंड पुलिस के जवानों की मुस्तैदी और तत्परता से बालक की जान बच सकी।

पौराणिक परम्पराओं व रीति रिवाज के साथ चंडिका देवी व देवराड़ी देवी की बन्यथा धार्मिक महोत्सव शुरू

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। सिमली की राजराजेश्वरी चंडिका देवी और रानीगढ़ पट्टी की आराध्य देवराड़ी देवी की देवरा यात्रा पूरी होने सिमली तथा रानीगढ़ पट्टी के देवल गांव में पौराणिक परम्पराओं व रीति रिवाजों के साथ बन्यथा धार्मिक महोत्सव बुधवार से प्रारम्भ हो गया है।

इस अवसर पर बनातोली सिमली और बनातोली देवल गांव में चंडिका व देवराड़ी देवी के दर्शन करने के लिऐ दूर दराज के गांवों से आये देवी के भक्तों व श्रद्धालुओं में भारी उत्साह बना हुआ है। बनातोली मंड़प में होने वाले धार्मिक महोत्सव में शामिल होने के लिए प्रवासी बन्धुओं के आने का सिलसिला जारी है। दोनों देवीयों के पांच जून को अपने गर्भगृह में विराजमान हो जाने पर पिछले कई महीनों से चली आ रही देवरा यात्रा संपन्न हो जायेगी।

बुधवार को सिमली और देवल गांव में प्रातकालीन पूजा करने के पश्चात कलशयात्रा सहित मां चंडिका और देवराड़ी देवी देवरार्थियों के साथ बनातोली स्थित ब्रह्मतोली मंड़प में पहुंचे जहां पर देवी देवराड़ी व चंडिका माता के भक्तो व श्रद्धालुओं ने माता के जयकारों से भव्य स्वागत किया। सिमली स्थित ब्रह्मतोली में वालदेव बिष्णु भगवान के वाहन गरूड में बिठाकर विदा किया गया।

व्यास पं गणेश खंडूरी ने बताया कि श्रीमद देवी भागवत पाठ परायण के सांथ दुर्गा सप्तसती पाठ के सांथ एक मन जौ तिल से 900 आहूती दे कर यज्ञ पुरुष का शादि समारोह संपन्न होगा। वेद पाठी उमेश खंडूरी, पुरुषोतम गैरोला, दुर्गा प्रसाद गैरोला, हर्षबर्धन गैरोला, लक्ष्मण गैरोला, भगतराम गैरोला ब्रह्मतोली में पूजा ब्यवस्था में जुटे हुऐ है ।

90वर्षिय चंडिका मंदिर के पुजारी हरि प्रसाद गैरोला ने बताया कि सन 1960 से चंडिका मंदिर की पूजा करते आ रहे है। बृदावस्था होने से पूजा करने की जिम्मेदारी बेटो को सौपी गयी है। उन्होने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि आज के आधुनिक चकाचौध होने वावजूद भी पौराणिक परम्पराओं रिति रिवाजो से चंडिका देवी बन्यथा धार्मिक महोत्सव हो रहा है। 80वर्षिय सत्य प्रसाद ने कहा कि अब तक तीन बार का देवी बन्यथा महोत्सव देख रहे है। समस्त क्षेत्रिय जनता में चंडिका माता सिमली के प्रति आस्था व श्रद्धा बनी हुई है।

29 May 2025_Copy of Layout 1 5/29/2025 2:34 PM Page 6

बद्रीनाथ धाम में चार धाम यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा, एडीजी ने जवानों का हौसला बढ़ाया

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। चार धाम यात्रा के सुचारू संचालन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर, बुधवार को उत्तराखंड के अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था डॉ0 वी0 मुरुगेशन श्री बद्रीनाथ धाम पहुँचे।

धाम पहुँचकर, एडीजी ने श्री बद्रीनाथ मंदिर परिसर और इसके आसपास की सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से मंदिर के भीतर और बाहर बढ़ती भीड़ को कुशलतापूर्वक नियंत्रित करने के लिए किये गये पुलिस प्रबंधन की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान, अपर पुलिस महानिदेशक प्रत्येक ड्यूटी प्वांइट पर जाकर तैनात पुलिस के जवानों से व्यक्तिगत रूप से मिले। उन्होंने जवानों से परिचय प्राप्त किया और उनसे बद्रीनाथ जैसे क्षेत्र में ड्यूटी करने के उनके अनुभवों और सामने आ रही संभावित समस्याओं के बारे में जानकारी ली। विषम परिस्थितियों में भी मुस्तैदी से कर्तव्य निभा रहे इन जवानों का हौसला अफजाई करते हुए महोदय ने उन्हें महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिए। जवानों को संबोधित करते हुए, एडीजी ने श्अतिथि देवो भवरूश् के भाव पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि चार धाम यात्रा पर आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु हमारे लिए अतिथि के समान है। पुलिस का प्राथमिक दायित्व है कि इस भावना के साथ यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा प्रदान की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि श्रद्धालुओं के साथ हमेशा मधुर और विनम्र व्यवहार किया जाए। पुलिस कर्मियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि श्रद्धालु व्यवस्थित और कतारबद्ध तरीके से श्री हरि के दर्शन कर सकें, जिससे उनकी यात्रा सुखद बनी रहे।

सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा के बाद, एडीजी ने अधिकारियों को आगाह किया कि आगामी दिनों में कई राज्यों में स्कूली छुट्टियां शुरू होने वाली हैं, जिससे मैदानी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में यात्री चार धामों और पर्यटक स्थलों की ओर रुख करेंगे। इससे यात्रियों की संख्या और यातायात का दबाव बढ़ने की पूरी संभावना है। इस स्थिति से निपटने के लिए, उन्होंने सभी अधिकारियों और जवानों को श्अलर्ट मोडश् पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और सभी कार्मिक अपनी नियुक्ति स्थल पर मुस्तैद रहते हुए, स्वयं की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए भी यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें।

एडीजी ने यात्रा मार्ग और मंदिर के आसपास की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने वाले अत्याधुनिक सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली और उसकी तकनीकी क्षमताओं के बारे में जानकारी ली। एडीजी ने मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं से सीधा संवाद स्थापित किया।

पार्किंग के लिए शत्रु संपत्ति मेट्रोपोल होटल परिसर अस्थायी रूप से उत्तराखंड सरकार को आवंटित

नैनीताल। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा नैनीताल स्थित शत्रु संपत्ति मेट्रोपोल होटल परिसर को को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक, पार्किंग के रूप में उपयोग के लिए उत्तराखंड सरकार को आवंटित कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र द्वारा इसकी जानकारी दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नैनीताल में पार्किंग की गंभीर समस्या को देखते हुए शत्रु संपत्ति दृ मैट्रोपोल होटल परिसर के खुले स्थान को पार्किंग हेतु अस्थायी रूप से आवंटित करने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री के अनुरोध को स्वीकार करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नैनीताल स्थित शत्रु संपत्ति मेट्रोपोल होटल परिसर को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक, पार्किंग के रूप में उपयोग के लिए उत्तराखंड सरकार को आवंटित कर दिया गया है। इस निर्णय से नैनीताल जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल में आने वाले पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

पुष्कर कुंभ माणा ड्यूटी के सफल समापन पर चमोली पुलिस ने आईटीबीपी के जवानों का बढ़ाया मनोबल

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। माणा में आयोजित हुऐ सफल पुष्कर कुंभ मेले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली आईटीबीपी की प्रथम बटालियन, जोशीमठ के जवानों को चमोली पुलिस द्वारा सम्मानित किया गया।

आयोजित पुष्कर कुंभ मेले में भारी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आगमन हुआ। इस बड़े आयोजन को सुचारू और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों का समन्वय महत्वपूर्ण रहा। आईटीबीपी के जवानों ने इस दौरान चमोली पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। चमोली पुलिस के अधिकारियों ने इस अवसर पर आईटीबीपी जवानों द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों में भी किये गये कर्तव्यनिष्ठापूर्ण और अनुशासित कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आईटीबीपी के सहयोग के बिना इस तरह के बड़े आयोजनों को सफलतापूर्वक संपन्न कराना चुनौतीपूर्ण होता। चमोली पुलिस की ओर से आईटीबीपी की प्रथम बटालियन के जवानों को उनकी आगामी यात्राओं और भविष्य की सभी जिम्मेदारियों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। चमोली पुलिस द्वारा आयोजित इस समारोह में पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट, पुलिस उपाधीक्षक अखिलेश सिंह व थानाध्यक्ष नवनीत भंडारी और आईटीबीपी एसी बनीराम व उनि0 चंदन भंडारी व जवान उपस्थित रहे।

आईजी कुमाऊं और एसएसपी नैनीताल ने बनभूलपुरा में नए थाने के निर्माण कार्य के शुभारम्भ हेतु रखी नींव, करवाया भूमि पूजन

हल्द्वानी (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री उत्तराखंड द्वारा विगत वर्ष बनभूलपुरा में स्थित भूमि को पुलिस विभाग को आवंटित कर थाना बनाए जाने की घोषणा की गई।

पुलिस मुख्यालय उत्तराखंड एवं एसएसपी नैनीताल के प्रयासों से नए थाने के निर्माण हेतु आवश्यक सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण कर निर्माणदाई संस्था से समन्वय स्थापित करते हुए रिद्धिम अग्रवाल आईजी कुमाऊं रेंज तथा प्रहलाद नारायण मीणा एसएसपी नैनीताल द्वारा बनभूलपुरा में नए थाने की नींव डालने हेतु भूमि पूजन किया गया। साथ ही जनता को यह संदेश दिया गया कि यह थाना पुलिसिंग को बेहतर करने, अपराध नियंत्रण, स्थानीय लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान करने,

बाहरीध संदिग्ध व्यक्ति के आवागमन में भी पर्याप्त चेकिंग करते हुए एक मजबूत और सशक्त पुलिस व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से बनाया जा रह है ताकि अराजक और उपद्रवी किस्म के तत्वों पर भी लगाम लगाई जा सके। एसएसपी नैनीताल द्वारा मुख्यमंत्री एवं सभी उच्चाधिकारीगणो को भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस दौरान प्रकाश चंद्र एसपी सिटी हल्द्वानी, नितिन लोहनी सीओ हल्द्वानी, नीरज भाकुनी थानाध्यक्ष बनभूलपुरा समेत अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी अनामिका की अध्यक्षता में जिला उद्योग मित्र की बैठक आयोजित

नैनीताल (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य विकास अधिकारी अनामिका की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन भीमताल सभागार में जिला उद्योग मित्र की बैठक आयोजित की गयी। जिसमें मुख्य रुप से विगत वर्ष में लंबित बिंदुओं की कार्यवाही और प्रगति के बारे में चर्चा की गयी।

साथ ही सीडीओ ने उद्योग मित्रों की समस्या,निराकरण और स्थानीय उद्योगों को कैसा बढ़ावा दिया जा सका इसके सुझाव मांगे। इस दौरान उद्योग केन्द्र द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 5 इकाइयों के व्याज उपादान के आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई ।बैठक में महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र पल्लवी ने विगत बैठक में रखे गए विभिन्न बिंदुओं पर की गई कार्यवाही के बारे में जानकारी देते हुए प्राप्त बिंदुओं से अवगत कराया जिसमें बजूनियाहल्दू–पतलिया से कोटाबाग को वैकल्पिक मार्ग, सूर्या गांव साततال मोटर मार्ग निर्माण, ग्राम हरिपुर मोतिया सम्पर्क मार्ग को मरम्मत कराने, कोटाबाग में स्थित इकाईयों में विद्युत की अनियमतता, भीमताल स्थित आणु नाले के दिशा परिवर्तन के संबंध, डालाकोटी पेंट एंड कैमिकल्स द्वारा जीएसटी नियमावली के अनुसार इनपुट क्रेटिड का लाभ, इकाई वरदान मिनरल्स के विद्युत भार बढ़ाने आदि लंबित बिन्दुओं की जानकारी दी। जिस पर सीडीओ ने संबंधित विभाग से कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी विभाग लंबित कार्यों और उनकी प्रगति से 10 दिन के भीतर अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि कार्य और योजना में किसी प्रकार लापरवाही नहीं होनी चाहिए,साथ ही पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य होने चाहिए। इस दौरान विभिन्न इंडस्ट्री से आए उद्योग मित्र ने बताया कि भीमताल सिडकुल में बिजली कटौती, सड़क दुरुस्त, पेयजल व्यवस्था में सुधार, लोकल सेल के लिए डिस्प्ले यूनिट, सेल यूनिट और कूड़ा निस्तारण के लिए कूड़ा वाहन आदि की मांग की। सीडीओ ने कहा कि उद्योग मित्र की सभी समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा ।जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर रोजगार और उद्योगों को भी बढ़ावा मिल सके।

29 May 2025_Copy of Layout 1 5/29/2025 2:34 PM Page 7

छात्रों ने 2024-25 ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। विश्व के सबसे बड़े ओलंपियाड साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ओलंपियाड परीक्षा 2024 – 25 में देहरादून के दो छात्रों ने इंटरनेशनल रैंक प्राप्त किया । दून इंटरनेशनल स्कूल (जूनियर) विंग के आदविक नौटियाल ने इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में पहली रैंक प्राप्त कर , इंटरनेशनल गोल्ड मैडल और प्रमाण पत्र प्राप्त किया। ज्ञानंदा स्कूल फॉर गर्ल्स की अनैशा चावला ने भी इंटरनेशन मैथमेटिक्स ओलिंपियाड में दूसरी रैंक प्राप्त करके इंटरनेशनल सिल्वर मैडल और प्रमाण पत्र अर्जित किया।

इस वर्ष के सोफ ओलंपियाड में 72 देशों के लगभग लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिसमें देहरादून के 35600 से अधिक छात्र शामिल थे। जिसमे सिटी प्राइड स्कूल, दून इंटरनेशनल स्कूल ख्जूनियर, विंग सहित देहरादून के उल्लेखनीय स्कूल प्रतिभागियों में शामिल थे। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) ने दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 2024–25 ओलंपियाड परीक्षाओं के टॉपर छात्रों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के 750 से अधिक छात्र और शिक्षक मौजूद थे। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे.के महेश्वरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

इस वर्ष 222 छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। इंटरनैशनल रैंक–1 पर आने वाले 74 छात्रों को 50,000 रुपये और गोल्ड मेडल, इंटरनैशनल रैंक–2 के विजेताओं को 25,000 रुपये और सिल्वर मेडल, जबकि इंटरनैशनल रैंक–3 के छात्रों को 10,000 रुपये और ब्रॉन्ज मेडल प्रदान किए गए। इस के साथ साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन ने शिक्षकों को भी सम्मानित किया। समारोह में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश जे. के माहेश्वरी ने कहा कि आज की पीढ़ी को ज्ञान के साथ–साथ संस्कारों से भी सशक्त करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। शिक्षा के साथ–साथ उन्हें संस्कार देने की भी आवश्यकता है, जिससे वे राष्ट्रनिर्माता बन सकें। जो लोग अपने भीतर शिक्षा का प्रकाश लेकर चलते हैं, वे कभी भी अधिक समय तक अंधकार में नहीं रहते। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक महाबीर सिंह ने बताया कि 2024–25 की ओलंपियाड परीक्षा में 72 देशों के 4000 शहरों की 96,499 से अधिक स्कूलों के लाखों छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि एसओएफ के पिछले 27 वर्षों से बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने का कार्य कर रहा है। ओलंपियाड में शामिल होने वाले छात्रों को उनकी योग्यता के अनुसार अंतरराष्ट्रीय, राज्य और स्कूल स्तर पर रैंक दी जाती है, जिससे वे अपनी क्षमताओं और सुधार की संभावनाओं को समझ सकें।

नैनीताल में पार्किंग के लिए शत्रु संपत्ति मेट्रोपोल होटल परिसर अस्थायी रूप से उत्तराखंड सरकार को आवंटित

देहरादून। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा नैनीताल स्थित शत्रु संपत्ति मेट्रोपोल होटल परिसर को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक, पार्किंग के रूप में उपयोग के लिए उत्तराखंड सरकार को आवंटित कर दिया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र द्वारा इसकी जानकारी दी है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से नैनीताल में पार्किंग की गंभीर समस्या को देखते हुए शत्रु संपत्ति–मेट्रोपोल होटल परिसर के खुले स्थान को पार्किंग हेतु अस्थायी रूप से आवंटित करने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री के अनुरोध को स्वीकार करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नैनीताल स्थित शत्रु संपत्ति मेट्रोपोल होटल परिसर को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक, पार्किंग के रूप में उपयोग के लिए उत्तराखंड सरकार को आवंटित कर दिया गया है।

जयंत चौधरी करेंगे 38वीं सेंट्रल एप्रेन्टिसशिप काउंसिल मीटिंग की अध्यक्षता

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय 26 मई 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 38वीं सेंट्रल एप्रेन्टिसशिप काउंसिल मीटिंग का आयोजन करने जा रहा है। काउंसिल का गठन अक्टूबर 2024 में जयंत चौधरी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), एमएसडीई की अध्यक्षता में किया गया था, जो सरकार को देश भर में एप्रेन्टिसशिप से संबंधित मुख्य पॉलिसियों पर सरकार को सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पिछली सीएसी मीटिंग का आयोजन जून 2021 में हुआ था। तब से भारत के एप्रेन्टिसशिप परिवेश में बड़ा बदलाव आया है– 51000 से अधिक संस्थानों की सक्रिय भागीदारी के साथ 36 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में 43.37 लाख एप्रेन्टिसेज़ को शामिल करते हुए, इसकी पहुंच विभिन्न ज़िलों एवं सामाजिक समूहों तक बढ़ाई गई है तथा पीएम–एनएपीएस एवं एनएटीएस योजनाओं के द्वारा भावी सेक्टरों के साथ बेहतर तालमेल बनाया गया है। उन्सिल में केन्द्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, उद्योग जगत (सार्वजनिक एवं निजी), अकादमिक, श्रम संगठनों के प्रतिनिधी और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हैं। इसके महत्वपूर्ण सदस्यों में भेल, इंडियन ऑयल, टाटा ग्रुप, मारूति सुजुकी, रिलायन्स इंडस्ट्रीज़, एनएसडीसी, यूजीसी, एआईसीटीई के चेयरपर्सन तथा विभिन्न मंत्रालयों जैसे शिक्षा, श्रम, एमएसएमई, रेलवे और टेक्सटाईल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

संस्कृत भाषा हमारी सांस्कृतिक धरोहर : दिनेश सिंह रावत

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। राजकीय इंटर कॉलेज रामपुर न्यालसू में सात दिवसीय 'भारतीय भाषा समर कैंप' का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप दो जून तक चलेगा और इसका उद्देश्य छात्रों में भारतीय भाषाओं को आत्मसात कराना और भारत की भाषा गत विविधता से समृद्ध ज्ञान परंपराओं को आत्मसात कराना है।

कार्यक्रम की शुरुआत में छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें लोक नृत्य, श्लोक वाचन और सम्भाषण कार्यक्रम प्रमुख रहे। छात्रों की इन प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को एक नया आयाम दिया गया जिसे सभी उपस्थित लोगों को प्रभावित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएमसी अध्यक्ष दिनेश सिंह रावत ने छात्रों को संस्कृत भाषा के प्रति प्रोत्साहित किया और कहा कि संस्कृत भाषा हमारी

कार्यक्रम में विचार रखते वक्ता।

सांस्कृतिक धरोहर है तथा इसका महत्व हमारे जीवन में बहुत अधिक है। कार्यक्रम को कैंप के समन्वयक रोशन शाह ने भी संबोधित किया और छात्रों को संस्कृत भाषा के महत्व और उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। समर कैंप में कक्षा 9 से 12 तक के 60 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्हें संस्कृत भाषा में वार्तालाप करना सिखाया जा रहा है और साथ ही संस्कृत भाषा वर्णमाला और लिपि के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक एसपी ध्यानी ने बताया कि संस्कृत भाषा के शिक्षण में चार प्रमुख सौपान हैं, जिनमें श्रवण, भाषण, पठन और लेखन। इन चारों सौपानों के माध्यम से छात्रों को संस्कृत भाषा के मूलभूत सिद्धांतों और व्याकरण के बारे में जानकारी दी जा रही है।

मलाबार समूह ने 2025-26 में अपनी सीएसआर पहलों के लिए आवंटित किए 150 करोड़ रुपये

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। भारत के अग्रणी व्यापारिक समूह एवं मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की मूल कंपनी मलाबार समूह ने 2025–26 में अपनी सीएसआर पहलों को आगे बढ़ाने के लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. ये पहलें स्वास्थ्य, शिक्षा, भूख एवं गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और वंचितों के लिए आवास पर केंद्रित हैं।

मलाबार समूह के चेयरमैन एम.पी. अहमद ने इस पहल के बारे में कहा, ''मलाबार समूह में सीएसआर हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है और हम समाज को वापस देने में विश्वास करते हैं. हम 28 मई को अपने वार्षिक सीएसआर दिवस के रूप में समर्पित करते हैं. हम निरंतर और प्रभावशाली कदमों के माध्यम से वंचितों के साथ खड़े होने की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराते हैं. हमारी सीएसआर पहल उस स्थायी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब हैं. हम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे हैं. अगर अन्य संगठन इस मिशन में शामिल हों तो इसका प्रभाव बढ़ सकता है. संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 29.5 करोड़ लोग 'अक्यूट हंगर' से जूझ रहे हैं। समूह ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल 'हंगर फ्री वर्ल्ड' के तहत भारत और जाम्बिया में वंचितों को प्रतिदिन 70 हजार भोजन वितरित करने की प्रतिबद्धता जताई है।

इस तरह 2025–26 में में कुल 2. 50 करोड़ भोजन बांटे जाएंगे. यह पिछले 3 सालों में बांटे गए 2.5 करोड़ भोजन की अब तक की पूरी उपलब्धि से एक बड़ी छलांग है. यह खाद्य सुरक्षा के लिए समूह की ठोस प्रतिबद्धता के बारे में भी बताता है. यह पहल संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल 2– जीरो हंगर के अनुरूप है। नीति आयोग के पूर्व सीईओ एवं जी–20 शेरपा डॉ. अमिताभ कांत ने नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 28 मई 2025 को आयोजित एक कार्यक्रम में समूह के सीएसआर कार्यक्रमों के अगले चरण का शुभारंभ किया. 28 मई को ही वर्ल्ड हंगर डे मनाया जाता है. इस कार्यक्रम में मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों में मलाबार समूह के चेयरमैन एम.पी. अहमद, मलाबार समूह के वाइस चेयरमैन के.पी. अब्दुल सलाम और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के भारतीय परिचालन के मैनेजिंग डायरेक्टर ओ. अशर शामिल थे।

29 May 2025_Copy of Layout 1 5/29/2025 2:34 PM Page 8

एनएच विभाग को बड़े हादसे का इंतजार, राजमार्ग पर पलट रहे वाहन

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। चोपता–गोपेश्वर राष्ट्रीय राजमार्ग 107 पर ताला तोक में ट्रीटमेंट का कार्य कछुवा गति से होने और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को दरकिनार किये जाने से तुंगनाथ घाटी के व्यापारियों व स्थानीय जनता में विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश बना हुआ है। विभागीय अनदेखी के कारण ताला तोक में कई वाहन आवाजाही करते समय हादसे का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में तीर्थयात्रियों में भी आक्रोश देखा जा रहा है और वे प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

आपदा के दस माह गुजर जाने के बाद भी ताला तोक का सही तरीके से ट्रीटमेंट नहीं होने से विभागीय कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गयी है। आगामी बरसात से पूर्व यदि आपदा से क्षतिग्रस्त ताला तोक का ट्रीटमेंट सही ढंग से नहीं किया गया तो तुंगनाथ घाटी का तीर्थाटन–पर्यटन व्यवसाय खासा प्रभावित होने के साथ ही केदारनाथ से तुंगनाथ धाम व बद्रीनाथ जाने वाले तीर्थ यात्रियों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ेगा। स्थानीय जनता का कहना है कि एक तरफ प्रदेश सरकार चारधाम यात्रा को सुगम व सुव्यवस्थित तरीके से संचालित करने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ आपदा के 10 माह बाद भी ताला तोक का सही तरीके से ट्रीटमेंट न होने से स्थानीय जनता व तुंगनाथ घाटी पहुंचने वाले पर्यटकों को जान हथेली पर रखकर आवाजाही करनी पड़ रही है। बता दें कि विगत वर्ष बीस जुलाई को तुंगनाथ घाटी में मूसलाधार बारिश के कारण आकाशकामिनी नदी के जल स्तर में भारी वृद्धि होने से ताला तोक के निचले हिस्से में भूस्खलन होने से कुंड–चोपता–गोपेश्वर राष्ट्रीय राजमार्ग 107 का बड़ा हिस्सा भूस्खलन की भेंट चढ गया था, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई दिनों तक यातायात ठप रहने से तुंगनाथ घाटी सहित तुंगनाथ धाम का तीर्थाटन–पर्यटन व्यवसाय खासा प्रभावित हो गया था। कुछ दिनों बाद राष्ट्रीय राजमार्ग ने यातायात बहाल तो किया, मगर आपदा से क्षतिग्रस्त भूभाग का ट्रीटमेंट कछुवा गति से होने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को दरकिनार करने से दर्जनों वाहन हादसे का शिकार हो रहे हैं, जिससे वाहनों के साथ ही यात्रियों को नुकसान पहुंच रहा है। उषाड़ा के प्रशासक कुंवर सिंह बजवाल का कहना है कि विभागीय लापरवाही का खामियाजा वाहन स्वामियों को भुगतना पड़ रहा है। क्योंकि ताला तोक में सफर करते समय कई वाहनों के पलटने से वाहनों को भारी नुकसान पहुंच गया है। समय रहते ताला तोक का सही तरीके से ट्रीटमेंट नहीं किया गया तो आने वाले समय में बडी घटना घटित हो सकती है। पूर्व प्रधान का कहना है कि विभागीय अधिकारियो से ताला तोक का ट्रीटमेंट शीघ्र करने की गुहार लगाई जा रहा है, मगर विभागीय अधिकारी ग्रामीणों की फरियाद सुनने को राजी नहीं हैं। ग्रामीण महिपाल बजवाल ने बताया कि आपदा के दस माह बाद भी ताला तोक का ट्रीटमेंट कछुवा गति से होने से विभागीय कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गयी है। उन्होंने कहा कि यदि आगामी बरसात से पूर्व ताला तोक का सही ट्रीटमेंट नहीं किया गया तो ग्रामीणों के साथ तीर्थ यात्रियों की मुश्किलें बढ सकती हैं।

पुलिस कस्टडी में मारपीट मामले में भाजपा विधायक सहित चार को सुनाई कोर्ट ने सजा

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। पुलिस कस्टडी में मारपीट मामले में सीबीआई कोर्ट ने भाजपा विधायक आदेश चौहान सहित चार अन्य लोगों को दोषी करार दिया है। सभी आरोपियों को एक साल की सजा सुनाई गयी है।

उत्तराखंड की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब खबर आई कि सीबीआई कोर्ट ने भाजपा के विधायक आदेश चौहान को सजा सुनाई है। मामला पुलिस कस्टडी में मारपीट से जुड़ा था। सीबीआई कोर्ट में इस केस की काफी समय से सुनवाई चल रही थी। इसी मामले में तीन पुलिसकर्मियों को भी सजा सुनाई गई है। हालांकि, इसमें से एक पुलिसकर्मी की पूर्व में मौत हो चुकी है। बता दें कि, भाजपा विधायक आदेश चौहान पर अपनी भतीजी के पति को पीटने का आरोप था। इस मामले में विधायक की भतीजी के पति मनीष ने शिकायत की थी। मामले में मनीष की शिकायत पर उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सीबीआई को जांच सौंपी थी।

खास बात ये है कि मनीष की शिकायत पर जांच के दौरान तमाम तथ्यों को सही पाया गया था। सीबीआई कोर्ट ने भी इसे सही मानते हुए फैसला सुनाया है। सीबीआई कोर्ट में भाजपा विधायक आदेश चौहान के अलावा उनकी भतीजी दीपिका और तीन अन्य लोगों को दोषी करार दिया है। इसमें तीन पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जिसमें से एक पुलिसकर्मी की पूर्व में मौत हो गई थी।

परिवहन विभाग के चेकिंग अभियान में 82 वाहनों के चालान, 06 सीज

हल्द्वानी। परिवहन विभाग के द्वारा नियम विरुद्ध और अनधिकृत वाहन संचालन करने के अभियोग में 82 वाहनों के चालान किये और 06 को सीज किया गया। नैनीताल क्षेत्र में परिवहन कर अधिकारी प्रमोद कर्नाटक, हल्द्वानी क्षेत्र में एआरटीओ जितेंद्र सिंघवान, कालाढूंगी हल्द्वानी मार्ग पर परिवहन कर अधिकारी मुकुल अग्रवाल आदि के द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया। इसमें ओवरलोडिंग, ओवर स्पीडिंग, रिफ्लेक्टर ,नंबर प्लेट, सीट बेल्ट ,बिना हेलमेट वाहन संचालन आदि के अभियोग में प्रवर्तन कार्रवाई की गई। प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान प्रपत्र प्रस्तुत न करने के अभियोग में पिकअप , ईरिक्शा व ऑटो सहित 06 वाहन सीज किए गए।

बारिश के पानी के साथ आए मलबे से कई घरों में नुकसान

नई टिहरी (नजरिया खबर ब्यूरो)। प्रदेश में मॉनसून ने अभी तक दस्तक भी नहीं दी, लेकिन बारिश ने अपना कहर दिखाना शुरू कर दिया है। टिहरी जिला मुख्यालय के बोराडी के पास वाल्मीकि बस्ती में रात को तेज बारिश से आपदा जैसे हालत बन गए थे। बारिश के पानी के साथ आये मलबे ने कई घरों को नुकसान पहुंचाया। साथ ही दो कार, दो बाइक और एक स्कूटी मलबे में दब गई। कई लोगों ने बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई।

टिहरी नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने बताया कि नई टिहरी शहर में जहां–जहां मलबा आने के कारण सड़कें बंद हुई हैं, उनको खोलने का प्रयास किया जा रहा है। आंचल डेरी के पास सड़क बार–बार बंद हो जाती है। इसका मुख्य कारण सेंट्रल स्कूल का निर्माण है। क्योंकि वहां का मलबा हर बारिश में सड़क पर आ जाता है। इसके लिए सेंट्रल स्कूल के अधिकारियों को मलबा हटाने के लिए कह दिया गया है। साथ ही टिहरी नगर पालिका का कहना है कि नई टिहरी शहर के रखरखाव के लिए टिहरी बांध परियोजना को प्रतिवर्ष 8–10 करोड़ सीएसआर मद से देने चाहिए। क्योंकि नई टिहरी शहर को टिहरी बांध परियोजना ने पुरानी टिहरी शहर के बदले बसाया गया है और नई टिहरी में सुविधा देने का काम भी टिहरी बांध परियोजना का है। उप जिलाधिकारी संदीप कुमार ने कहा कि रात को तेज बारिश के चलते वाल्मीकि बस्ती में जो मलबा घुसा है उस मलबे में 29 परिवारों को नुकसान हुआ है। इन परिवारों के लिए हर तरह की व्यवस्था की जा रही है। साथ कि राशन की व्यवस्था भी की जा रही है। स्थानीय व्यक्ति दीपक कुमार ने बताया कि उनकी बस्ती के ऊपर एक नाला है, जो पूरी तरह से जाम हो चुका था।

न्यूज डायरी

मुख्यमंत्री ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को पवेलियन ग्राउण्ड, देहरादून में अहिल्या स्मृति मैराथन एक विरासत–एक संकल्प कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने स्वयं भी युवाओं के साथ मैराथन में दौड़कर सबका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में जागरूकता और एकता लाने के साथ स्वस्थ समाज का भी निर्माण करते हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार, मेयर सौरभ थपलियाल, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, विधायक भरत चौधरी, दायित्वधारी अनिल डब्बू, श्याम अग्रवाल, हेम बजरंगी, भाजपा युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष देवेंद्र सिंह बिष्ट एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

दो कुलपतियों ने राज्यपाल से की मुलाकात

नैनीताल। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से बुधवार को राजभवन में कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत और सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,अल्मोड़ा के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों कुलपतियों ने विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान कार्यों आदि की जानकारी दी।राज्यपाल ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल देते हुए विश्वविद्यालयों को नवाचार, कौशल विकास तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शोध और अनुसंधान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पेज 01 का शेष...

उत्तराखण्ड कैबिनेट ने दी योग नीति को मंजूरी, 11 प्रस्तावों पर लगी मुहर

योग नीति के अन्तगर्त पहाड़ी क्षेत्रों में 50 प्रतिशत और मैदानी क्षेत्रों में 25 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी। योग को बढ़ावा देने के लिए मान्यता प्राप्त संस्थानों के योग शिक्षकों को प्रति सत्र 250 रुपये की प्रतिपूर्ति दी जाएगी। अब स्थानीय लोगों के माध्यम से कार्यों की सीमा 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ कर दी गई है। ई और डी श्रेणी के ठेकेदारों की सीमा भी बढ़ाई गई है। स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख रुपये तक के कार्य दिए जा सकेंगे। एमएसएमई यूनिट्स को भी प्राथमिकता दी जाएगी। लोवेस्ट टेंडर से 10 प्रतिशत अधिक तक का ऑफर होने पर भी उन्हें काम मिल सकेगा। टेंडर प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जाएगा, और आईएफएमएस पोर्टल पर शिकायत निवारण तंत्र भी शुरू होगा।

स्वत्वाधिकारी नजरिया खबर के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक गीता जायसवाल द्वारा श्रेष्ठा प्रिन्टर्स, वार्ड नं.03,पो.ओ. लालकुंआ जिला–नैनीताल, उत्तराखण्ड से मुद्रित तथा 14–डी मीडो प्लाजा, प्रथम तल राजपुर रोड देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित सम्पादक : विजय जायसवाल फोन नं. – 0135&2740930, 9837027458 RNI NO: UTTHIN/2008/25052 प्रकाशन सम्बन्धी सभी विवादों का निस्तारण सिर्फ देहरादून न्यायालय होगा। E-mail: nazariakhabar@gmail.com

Website : www.nazariyakhabar.com

डाक पंजीयन : UA/DO/DDN/402/2017-19